पथ निर्माण विभाग प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजेगा

पटना से जुड़ेगा वाराणसी कोलकाता एक्सप्रेस-वे

सुविधा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे का राजधानी पटना से दो छोड़ से सीधा जुड़ाव होगा। पथ निर्माण विभाग ने पटना-गया-डोभी और पटना-आरा-सासाराम को वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का निर्णय लिया है। विभाग ने इस दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही विभाग की ओर से इसका औपचारिक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

विभागीय सूत्रों के अनुसार अभी पटना से गया होते हुए डोभी तक फोर लेन सड़क का निर्माण कार्य जारी है। इसका एक लेन बनकर तैयार हो गया है। दूसरा लेन जल्द ही बन जाएगा, लेकिन इसका जुड़ाव वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से नहीं है। चूंकि वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से उत्तरप्रदेश से बिहार होते हुए झारखंड और बंगाल तक आना-जाना आसान होगा। इसलिए विभाग ने तय किया है कि पटना-गया-डोभी को वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से जोड़ दिया जाए। डोभी से हंटरगंज तक जाने वाली सड़क में गोसाईडीह के समीप पटना-गया-डोभी का वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से जुड़ाव होगा। इन दोनों सड़कों को जोड़ने के लिए लगभग 11 किलोमीटर फोर लेन सड़क बनाई जाएगी।

इसी तरह अभी पटना से आरा होते हुए सासाराम तक बनने वाली फोर लेन सड़क का निर्माण पटना के सदीसोपुर से शुरू होकर सासाराम तक होना है। पथ निर्माण विभाग ने इस सड़क को भी वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का निर्णय लिया है। सासाराम से इस एक्सप्रेस-वे का जुड़ाव तिलौथू में होगा। इसके लिए लगभग 10 किलोमीटर चार लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। वहीं पटना छोर में पटना-आरा-सासाराम की शुरुआत सदीसोपुर के बदले पटना एम्स गोलम्बर से होगी। सदीसोपुर से एम्स तक 10 किलोमीटर का चार लेन सड़क निर्माण होगा। पटना के अनीसाबाद मोड़ से एम्स गोलम्बर तक एलिवेटेड रोड का निर्माण होना है। इस तरह पटना से अनीसाबाद होते हुए एम्स के बाद सदीसोपुर होते हुए पटना-आरा-सासाराम के बाद वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे तक का सफर आसान हो जाएगा। पटना के लोग गया होते हुए झारखंड या बंगाल तो आरा-सासाराम होते हुए उत्तरप्रदेश और दिल्ली की ओर आसानी से आ-जा सकेंगे।

11 किलोमीटर सड़क बनेगी पटना-गया-डोभी मार्ग को जोड़ने के लिए

10 किलोमीटर फोरलेन सड़क बना सासाराम में जोड़ी जाएगी एक्सप्रेस वे से

- पटना-गया-डोभी का इस एक्सप्रेस-वे तक होगा विस्तार
- दोनों सड़कों को जोड़ने के लिए 11 किमी फोरलेन सड़क बनेगी

यह होगा फायदा

बिहार के लोगों के लिए यूपी, झारखंड और बंगाल आना-जाना आसान होगा। छह लेन के इस एक्सप्रेस-वे के बनने से वाराणसी से कोलकाता की दूरी 14 घंटे के बदले मात्र सात घंटे में पूरी की जा सकेगी। आवागमन के साथ ही यूपी, झारखंड व पश्चिम बंगाल के बीच बिहार के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। विशेषकर हल्दिया बंदरगाह तक मालों की आवाजाही आसान होगी।

35228 करोड़ खर्च होगा एक्सप्रेसवे के निर्माण पर

18 शहरों से बिहार सीधा जुड़ जाएगा

किस राज्य में कितना किलोमीटर हिस्सा

यूपी	22.8 किलोमीटर	झारखंड	202.60 किमी
बिहार	161.60 किमी	पश्चिम बंगाल	285 किलोमीटर

बिहार सहित चार राज्यों के लिए उपयोगी है सड़क

उत्तरप्रदेश के वाराणसी के रेवासा गांव के निकट एनएच 19 से यह सड़क शुरू होकर चंदौली होते हुए बिहार के चांद में प्रवेश करेगी। चैनपुर, रामपुर, तिलौथू, कुटुम्बा, इमामगंज, संग्रामपुर होते हुए झारखंड के हंटरगंज जाएगी। चतरा, पत्थलगड़ा, सेमरिया, चुरचू, पेटरवार, कसमार, जयपुर, पुरुलिया, पुंछा, तलडंगरा, गहरबेटा, घाटल होते हुए पश्चिम बंगाल में बगनान के निकट एनएच 16 पर जाकर यह सड़क समाप्त होगी। इस सड़क की कुल लंबाई लगभग 672 किलोमीटर है। बिहार में इस सड़क का निर्माण सात पैकेज में होना है। पैकेज एक 27 किलोमीटर का है। इसमें 22 किलोमीटर यूपी की सीमा में है तो पांच किलोमीटर बिहार की सीमा में है। बाकी छह पैकेज पूरी तरह बिहार की सीमा में अवस्थित है। एक्सप्रेस वे में सोन नदी पर एक पुल भी बनना है। यह पुल छह लेन का होगा। तिलौथू के समीप इस पुल का निर्माण होगा।